विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण किया

स्वामी विवेकानंद की 13.5 फीट ऊंची अष्टधातु की यह मूर्ति जयपुर में तैयार कराई गई है

अजमेर, (कासं)। अजमेर के कोटड़ा क्षेत्र में बनाए गए विवेकानंद स्मारक पर स्थापित की गई स्वामी विवेकानंद की 13.5 फीट ऊंची मूर्ति का रविवार को युवा दिवस के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अनावरण किया। अष्टधातु की यह मूर्ति जयपुर में तैयार कराई गई है।

अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा शनिवार को कोटड़ा स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क में स्वामी विवेकानंद की 13.5 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित कर उसे कपड़े से ढक दिया। प्रतिमा का अनावरण रविवार को प्रात: 10 बजे विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि विश्व पटल पर भारतीयता, सनातन संस्कृति व हमारी समृद्ध वैचारिक-सांस्कृतिक विरासत को गौरवान्वित करने वाले असंख्य युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद की मूर्ति अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने देश को विश्व गुरु बनाने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे महापुरुष का जन्मदिन मनाने के लिए एकत्र हुए, यह गर्व की बात है।

उन्होंने विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में उतारने का आव्हान भी किया। उन्होंने कहा कि स्वामीजी के ऊर्जादायी और मंगलकारी विचार सदैव राष्ट्र एवं समाज की उन्नति के कार्यों के लिए प्रेरित करते रहेंगे। स्मारक पर विवेकानंद गैलरी भी बनाई जाएगी, यहां ध्यान योग तथा विवेकानंद की शिक्षाओं को ग्रहण किया जा सकेगा। प्राधिकरण स्मारक पर बनाई गई तीनों गुमटियों को भी किराए पर देगा। इससे स्मारक पर आने वालों को कैफेटिरिया की सुविधा भी मिलेगी। इस दौरान भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रमेश सोनी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, कलेक्टर लोकबंधु, एडीए आयुक्त नित्या सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अजमेर के कोटड़ा क्षेत्र में बनाए गए विवेकानंद स्मारक पर स्थापित की गई स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अनावरण किया।

■ स्वामीजी के ऊर्जादायी और मंगलकारी विचार सदैव राष्ट्र एवं समाज की उन्नति के कार्यों के लिए प्रेरित करते रहेंगेः देवनानी

65 लाख की आई लागत:- इस प्रतिमा के निर्माण पर 65 लाख की लागत आई है, जिसे जयपुर की फर्म मैसर्स निरानिया कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बनाया है। एडीए के सहायक अभियंता राजेन्द्र कुडी और कनिष्ठ अभियंता अमित बजाज के तकनीकी दिशा निर्देशानुसार स्मारक पर मूर्ति को स्थापित किया गया। प्रतिमा की कुल ऊंचाई 23 फीट होगी, क्योंकि 13 फीट ऊंची इस प्रतिमा को 10 फीट ऊंचे पेडिस्ट्रल पर लगाया गया है। विवेकानंद स्मारक 2006 में शुरू करवाया और 70 बीघा में बाउंड्रीवाल बनाई। तत्कालीन कलेक्टर एवं स्मार्ट सिटी के सीईओ प्रकाश राजपुरोहित ने 1.32 करोड़ रुपए में इसका निर्माण स्मार्ट सिटी के तहत पूरा कराया था, लेकिन विवेकानंद की मूर्ति स्थापित नहीं जा सकी। निर्माण शुरू होने के 18 साल के बाद अब मूर्ति स्थापित हुई और विवेकानंद स्मारक का निर्माण पूरा हो गया।

शहर के चारों ओर विकसित हुए स्मारक:- शहर में वर्ष 2006-2007 में झलकारी बाई स्मारक, महाराणा प्रताप स्मारक तथा विवेकानंद स्मारक एक साथ स्वीकृत हुए थे। दाहरसेन तथा झलकारी बाई स्मारक को स्थानीय नेताओं ने प्रयास कर विकसित कराया। कई साल तक अधूरे रहे महाराणा प्रताप स्मारक को एडीए के तत्कालीन अध्यक्ष शिवशंकर हेड़ा ने पूरा कराया। यहां लेजर शो भी शुरू किया गया। स्मारक तैयार होने के तीन साल बाद विवेकानंद की मूर्ति स्मारक पर स्थापित होने से शहर के चारों स्मारकों का निर्माण पूरा हो चुका है। निजी संस्था के जरिए जयपुर रोड पर बनाया जा रहा महर्षि दयानंद स्मारक का निर्माण भी अगले माह पूरा होगा।

इंस्टाग्राम के जरीये महिला से गृह क्लेश दूर करने के नाम पर ठगी

बिशनगढ़ थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कार जब्त की

जालोर, (कासं)। गृह क्लेश, जादू-टोना के नाम पर असली सोने के आभूषण को बदलकर नकली आभूषण देकर ठगी करने के मामले में जालोर जिले के बिशनगढ़ थाना पुलिस ने रविवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कार जब्त की है। इस मामले में लिप्त अन्य दो आरोपी की तलाश जारी है।

इंस्टाग्राम आईडी पर रिक्वेस्ट भेजकर अपने आपको पंडित बताकर गृह क्लेश का निवारण करने का झांसा दिया था जिस पर महिला ने ठगों के बहकावे में आकर घर पर बुला दिया। जालोर के निकट बिशनगढ़ में गृह क्लेश दूर करने के नाम पर जादू-टोना कर असली सोने के आभूषण बदलकर नकली आभूषण देकर ठगी करने की वारदात संज्ञान में आते ही घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव ने घटना का पर्दाफाश कर आरोपियों की शीघ्र गिरपतारी के लिए टीमें गठित की गई। पुलिस टीमों द्वारा ठगी के आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

आरोपी के मोबाइल नम्बरों की लोकेशन तथा सीसीटीवी फुटेज के हुलिया के अनुसार मुख्य सड़क व आम रास्ते पर लगे सीसीटीवी कैमरों का बारीकी से आंकलन कर तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए ठगी के आरोपी दीपक भार्गव पुत्र उदाराम भार्गव निवासी रेडी पुलिस थाना डुंगरगढ़ जिला बीकानेर, कुलदीप पुत्र प्रेमचन्द भार्गव निवासी नाथु तालाब वार्ड 26 हरिराम बाबा मंदिर के पास सुजानगढ़ पुलिस थाना सुजानगढ जिला चूरु, मुकेश पुत्र बद्रीप्रसाद भार्गव निवासी राणासर पुलिस थाना सरदारशहर जिला चूरू को घटना में प्रयुक्त वाहन कार सहित गिरफ्तार किया। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की गई तो ठगी के फरार सहआरोपी नारायण पुत्र मनोज भार्गव निवासी सुजानगढ जिला चूरु एवं विष्णु पुत्र सुभाष भार्गव निवासी सुजानगढ जिला चूरु होना बताया, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस ने ठगी करने के मामले में तीन जनों को गिरफ्तार किया।

■ मामले में लिप्त अन्य दो आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है

पीड़िता जयन्तिदेवी पुत्री जामताराम राजपुरोहित निवासी धोरा ढाणी उम्मेदाबाद ने रिपोर्ट पेश की थी। असली सोने के आईटम लेकर चले गये तथा उसके बदले में नकली आईटम देकर धोखाधड़ी करने पर आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया जाकर तलाश शुरू की गई।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 11वें दिन भी लगातार जारी

दिव्यांग संघ शाहपुरा के सदस्य क्रमिक अनशन व धरना प्रदर्शन में शामिल हुये।

■ दिव्यांग संघ शाहपुरा के सदस्यों, संघर्ष समिति के सदस्यों और अधिवक्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया

■ जिला समाप्त करने के विरोध में चौथे दिन क्रमिक अनशन धरने पर दिव्यांग संघ शाहपुरा के सदस्य बैठे

शाहपुरा, (निसं)। जिला बचाओ संघर्ष के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर चौथे दिन रविवार को दिव्यांग संघ शाहपुरा के सदस्यों ने क्रमिक अनशन धरना दिया। संघर्ष समिति के महासचिव व अभिभाषक संस्था के सहसचिव कमलेश मुण्डेतिया ने बताया कि शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गालाल राजोरा व संयोजक रामप्रसाद जाट ने क्रमिक अनशन धरने पर बैठे दिव्य संघ शाहपुरा के अध्यक्ष किशन तेली के नेतृत्व में सदस्य शंकरलाल सोलंकी, जडावदेवी गाड़िया लोहार बजरंग लाल कुम्हार, अजय टेलर, छोटू लाल वैष्णव, ओमप्रकाश खटीक, गलाराम गाचा, महावीर बैरवा, मनोज जीनगर, धर्म सिंह यादव, राजू लाल चावला, सूरतराम कुमावत, शांतिलाल माली, शहाबुद्दीन, गोपाल कुमावत, हंसराज जाट सहित कई सदस्यों को माला पहनाकर धरने पर बैठाया। दिव्यांग संघ शाहपुरा के सदस्यों एवं संघर्ष समिति के सदस्यों और अधिवक्ताओं ने शाहपुरा जिला को समाप्त करने के विरोध में नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया और शाहपुरा को वापस जिला बनाने की मांग की।

इस मौके पर शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के रामेश्वर लाल सोलंकी, नरेश बूलिया, सुनील मिश्रा, धनराज जीनगर, राजेंद्र बोहरा, अजय प्रताप सिंह, नवीन जैन, प्रवीण पारीक, रवि शंकर उपाध्याय, अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष दुर्गालाल राजोरा, उपाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह राणावत, सह सचिव कमलेश मुंडेतिया, कोषाध्यक्ष तेजप्रकाश पाठक, पुस्तकालय अध्यक्ष दीपक मीणा, वरिष्ठ अधिवक्ता नमन ओझा, चावण्ड सिंह, अंकित मालू, शरीफ मोहम्मद, प्रियेश यदुवंशी, पीएलवी अभय गुर्जर मौजूद रहे।

अभिभाषक संस्था के सहसचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि जिला बचाओ संघर्ष समिति की बैठक रविवार संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा और संयोजक रामप्रसाद जाट की अगुवाई में हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय ले गए। इसके तहत शाहपुरा जिले को पुन: जिले का दर्जा मिलने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा और शहर और ठामीण क्षेत्र में संघर्ष समिति के सदस्य जाकर आमजन को जोड़ते हुए जिले के महत्व के पंपलेट एवं पीले चावल वितरण कर 28 जनवरी को ब्लैक डे के रूप में संपूर्ण शाहपुरा बंद रखा जाकर विशाल रैली और आमसभा का आयोजन किया जाएगा एवं शाहपुर जिले की संपूर्ण तहसीलों में शाहपुरा को जिला बनाए रखना का ज्ञापन दिया जाएगा तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुहिम चलाकर आमजन की भागीदारी आंदोलन में सुनिश्चित की जाएगी।

अखिल भारतीय रेगर महासभा शाहपुरा द्वारा 13 जनवरी को अनशन धरना प्रदर्शन करेगा।जिला बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने कहा कि 13 जनवरी को क्रमिक अनशन धरना पर अखिल भारतीय रेगर महासभा शाहपुरा के सदस्य बैठकर धरना देंगे।

सरपंच व पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज

परबतसर, (निसं)। पुलिस थाना परबतसर अंतर्गत ग्राम सांचौर के सरपंच और पटवारी के विरुद्ध षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी कर जमीन हड़पने का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार मेहराम पुत्र भंवरलाल नायक निवासी सांचौर ने पुलिस थाना परबतसर में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि सांचौर ग्राम के सरपंच रूपाराम डूडी, पटवारी रिछपाल चौधरी व मुकेश मेघवाल ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर मेरे साथ धोखाधड़ी करके मेरी जमीन हड़पने की नियत से मेरी जमीन का मुझे झांसे में रखकर इकरारनामा व मुख्तयारनामा निष्पादित करवा लिया। पीड़ित ने बताया कि उसने एक लाख साठ हजार रुपए रुपाराम डूडी व रिछपाल चौधरी से उधार लिए थे जबकि वह मुकेश मेघवाल को जानता ही नहीं। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी ने अपनी जमीन का बेचान नहीं किया है, लेकिन उसे डरा धमकाकर स्टाम्प पर जबरन लिखा-पढ़ी करवा ली जो गलत है। पीड़ित ने कहा कि आरोपियों ने मेरा अनपढ़ होने का फायदा उठाया है। विरोध किया तो रुपाराम ने रोककर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

समझौते के बाद पोस्टमार्टम को राजी हुए परिजन

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस से बचने के प्रयास में साइबर ठगी के आरोपी के चौथी मंजिल से कूदने को लेकर रविवार सुबह समाज की बैठक के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर समझौते के बाद समाजजन शव का पोस्टमार्टम कराने को राजी हुए। आसपुर पुलिस से बचने के प्रयास में साइबर ठगी का आरोपी शुक्रवार रात छत से कूद गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पिंडावल-साबला निवासी रमेश पाटीदार पुलिस को देखकर भागने लगा। आरोपी तीसरी मंजिल से भागकर चौथी मंजिल की छत पर पहुंच गया। पुलिस से बचने के प्रयास में छत से बालकनी में गिर गया। आरोपी को गंभीर हालत में पेसिफिक हॉस्पिटल उमरडा उदयपुर में भर्ती कराया गया। जहां से महाराणा भोपाल हॉस्पिटल उदयपुर में रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई थी।

राज्य उपभोक्ता आयोग ने नागौर उपभोक्ता आयोग के निर्णय को बरकरार रखा

■ भारी वर्षा के कारण नवनिर्मित मकान को पहुंचे नुकसान का क्लेम खारिज करने का मामला

अजमेर, (कासं)। भारी वर्षा के कारण नवनिर्मित मकान को पहुंचे नुकसान का क्लेम खारिज करने के मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग की सर्किट बेंच अजमेर ने नागौर जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को बरकरार रखा हैं। सर्किट बेंच की तीन सदस्यीय पीठ ने चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अपील 25 हज़ार रुपए कास्ट पर खारिज की है।

नागौर जिला उपभोक्ता आयोग ने अपने निर्णय में बीमा कंपनी को दोषी मानते हुए मकान को पहुंचे नुकसान की राशि 25 लाख तथा उस पर अक्टूबर 2020 से 9 प्रतिशत ब्याज और 10 हजार रूपए क्षतिपूर्ति दिलाने के आदेश दिए थे। मामले के अनुसार मेड़ता निवासी रविंद्र सोनी ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा से 19 लाख 50 हजार का ऋण लेकर मेड़ता सिटी में मकान बनाया था। परिवादी का मकान पूरी तरह बनकर फर्नीचर आदि से सुसज्जित होकर निवास करने योग्य हो गया।

अचानक 6 अगस्त 2019 को मेड़ता में भारी बारिश हुई, जिसके चलते परिवादी के घर के आसपास पानी इकट्ठा हो गया और जमीन धंस गई। परिवादी के मकान में जगह-जगह दरारें आने से मकान रहने लायक नहीं रहा। परिवादी ने मौके की जांच इंजीनियरिंग फर्म तथा पीएचईडी से कराई और नुकसान का आंकलन कर क्लेम प्रस्तुत किया। कंपनी ने 20 मार्च 2020 को क्लेम यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मकान को जो नुकसान हुआ है वह घटिया किस्म के निर्माण के कारण हुआ है और वर्षा से सम्पति को हुआ नुकसान पॉलिसी की शर्तों में शामिल नहीं है।

परिवादी ने बीमा कंपनी द्वारा क्लेम खारिज करने के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग नागौर में परिवाद प्रस्तुत किया और 25 लाख रुपए हर्जाने की मांग की। जिला उपभोक्ता आयोग नागौर ने परिवाद मंजूर कर बीमा कम्पनी को सेवा में कमी का दोषी माना। चोलामंडल बीमा कंपनी ने नागौर जिला आयोग के निर्णय की अपील राज्य उपभोक्ता आयोग सर्किट बैंच अजमेर में की। राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छावा, सदस्य उर्मिला वर्मा तथा लियाकत अली ने अपील की सुनवाई की। बैंच के समक्ष परिवादी के वकील अमित गांधी का तर्क था कि मकान को जो नुकसान हुआ है वह वर्षा के कारण हुआ, अत्यधिक वर्षा ने बाढ़ का रूप लिया है। बाढ़ से हुआ नुकसान पॉलिसी शर्तों में आता है। इसके अलावा गांधी का तर्क था कि कंपनी ने कोई ऐसी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की है जो यह सिद्ध कर सके कि मकान में नुकसान घटिया किस्म की निर्माण सामग्री से हुआ। मकान पूर्णतया तैयार था और रहने से पूर्व ही उसमे दरारें आ गई जिससे मकान में रहना असंभव है, इसलिए क्लेम राशि प्राप्त करने का हकदार हैं।

राज्य उपभोक्ता आयोग की सर्किट बेंच ने रविंद्र सोनी के वकील गांधी के तर्कों से सहमत होकर यह है माना कि भारी वर्षा बाढ़ की श्रेणी में आती है और बाढ़ से होने वाला नुकसान पॉलिसी में शामिल है, इसलिए कंपनी क्लेम राशि देने के लिए उत्तरदायी है। राज्य आयोग की तीन सदस्यीय बेंच ने अपने निर्णय में लिखा कि बीमा कंपनी ने एक न्यायिक निर्णय को बिना किसी उचित आधार के अपील में चुनौती दी है, इस कारण प्रार्थी को अनुतोष प्राप्त होने में अनावश्यक विलम्ब हुआ है।

गांव छान के मंदिरों में लगातार चोरी

टोंक, (निसं)। मेहन्दवास थाना क्षेत्र के गांव छान में लगातार कुछ दिनों से हो रही मन्दिरों की चोरियों से नाराज ग्रामीणों ने पुलिस को रात्रि गश्त कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले को लेकर थाने में सीसीटीवी फुटेज दिखाया गया, जिसमें दिन में करीबन 2.43 बजे एक युवक मंदिर में घुसकर चोरी करते हुए देखा गया। सीसीटीवी कैमरे में इस संदिग्ध व्यक्ति की तलाश की जा रही है, इसी प्रकार विगत एक सप्ताह से चोरियों का सिलसिला लगातार जारी है। समाजसेवी आशाराम जाट ने बताया कि स्थानीय सगस बाबा मंदिर, देवत माता मंदिर और हनुमान के मन्दिर में लगातार सात दिन से चोरी की वारदातें हो रही हैं।

नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। ट्रांसपोर्ट कारोबारी के खिलाफ पीड़ित से लाखों की नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित संजय पुत्र प्रवीण मित्तल निवासी ऋषि बिहार माधववाडा के पास पर्वत पाटिया सूरत ने हेमेन्द्रसिंह पुत्र भंवरसिंह निवासी ए ब्लॉक प्रतापनगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि मेरी गुजरात में सिंगल रोड लाइन नाम से फर्म है। इस फर्म का उदयपुर में आरोपी हेमेन्द्रसिंह कारोबार करता है। जिसका कार्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग देबारी में स्थित है। आरोपी ने कंपनी के साथ कारोबार करते हुए विश्वासघात कर 17 लाख 86 हजार रूपये हड़प लिए।

शिक्षा को विचारशीलता और मूल्यपरकता का आधार बनाना अनिवार्य : प्रो. देवस्वरूप

राजस्थान विद्यापीठ का 39 वां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक संपन्न

उदयपुर, (कासं)। बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति प्रो. देवस्वरूप ने कहा कि शिक्षा को केवल व्यावसायिक सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि विचारशीलता और मूल्यपरकता का आधार बनाना अनिवार्य है। प्रो. देवस्वरूप रविवार को जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विवि के स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रो. देवस्वरूप ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में उनकी भूमिका एक विशेष अवसर और चुनौती रही है। शिक्षा हमेशा से समाज के विकास का आधार रही है। यदि हम 1857 के कालखंड को देखें, तो यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन था। महात्मा गांधी ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए गुजरात विद्यापीठ की स्थापना की, जो उनके विचारों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसी दृष्टि से 1937 में राजस्थान विद्यापीठ की स्थापना हुई, जो शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए एक दूरदर्शी प्रयास था। उन्होंने कहा कि प्रो. सारंगदेवोत ने अपने अथक प्रयासों से राजस्थान विद्यापीठ को यूजीसी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न मापदंडों पर खरा उतारा है। यह संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में भारत के गौरवशाली शिक्षण संस्थानों में शामिल हो चुका है।

पूर्व में शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण था। आज यह जॉब-केंद्रित हो गई है, जिससे शिक्षा और विचारशीलता के बीच एक अंतराल पैदा हो गया है। इसी कारण, आज के शिक्षित युवाओं में अपराध की प्रवृत्ति देखी जा रही है। यह एक गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा को केवल व्यावसायिक सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि विचारशीलता और मूल्यपरकता का आधार बनाना अनिवार्य है। एक शिक्षक का दायित्व केवल ज्ञान देना नहीं है, बल्कि स्वयं अपने मूल्यों का उदाहरण बनकर विद्यार्थियों को प्रेरित करना है। सभ्यता और संस्कृति के साथ शिक्षा को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास निर्माण का माध्यम बनाना होगा। यही शिक्षा का सच्चा उद्देश्य है, और इसे प्राप्त करने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

राजस्थान विद्यापीठ के 39वें स्थापना दिवस समारोह को प्रो.एस. एस. सारंदेवोत ने संबोधित किया।

■ कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने राजस्थान विद्यापीठ के स्थापना दिवस की सभी को शुभकामनाएं दी

राजस्थान विद्यापीठ के 39वें स्थापना सभी को शुभकामनाएं देते हुए कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि हमारी संस्कृति का मूल मंत्र आ नो भद्रा: ऋतवो यंतु विश्वत: हमें प्रेरित करता है कि हम विश्वभर से श्रेष्ठ विचारों को आत्मसात करें। इसी विचारधारा को अपनाते हुए विद्यापीठ ने अपने दायित्व का निर्वहन किया है। आने वाले समय में विद्यापीठ 100 बेड अस्पताल को पूर्ण रूप से संचालित करेगा और एक आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर सेंटर खोलेगा, जहां विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में भविष्य निर्माण की दिशा में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। हमारा लक्ष्य वर्तमान में 10 हजार विद्यार्थियों की संख्या को बढ़ाकर 30 हजार तक ले जाना है। कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय जानी ने कहा कि राजस्थान विद्यापीठ की स्थापना एक छोटे से बीज के रूप में हुई थी, जो आज शिक्षा के एक विशाल वटवृक्ष के रूप में खड़ा है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति प्रो. देवस्वरूप, विशिष्ट अतिथि डॉ. निरुपमा सिंह, कुलपति कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, कुलसचिव डॉ. तरुण श्रीमाली के आथित्य में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर ने विद्यापीठ की यात्रा को साझा करते हुए कहा कि विद्यापीठ ने उसे समय जनू भाई के सपने को साकार किया। पीठ स्थविर कौशल नागदा ने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा 10 वर्षों का विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन किया गया। इससे पूर्व प्रमुख अतिथि प्रो. देवस्वरूप को एनसीसी छात्रों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

बाइक सवार से नकदी लूटी

उदयपुर, (निसं)। गोवर्धन विलास हाइवे पर बाइक सवार तीन बदमाश पीड़ित से नकदी छीन ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित बाबूलाल पुत्र नाथुलाल परमार निवासी खजूरी गोवर्धन विलास ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि मैं 16 दिसंबर 2024 को बाइक पर गांव से उदयपुर जा रहा था। जहां बीच रास्ते खरपीणा पुलिया के समीप अन्य बाइक पर सवार भगवान पुत्र अर्जुन निवासी रमणी घाटी व साथी ने मुझे रोका तथा जेब से नकदी छीन ली। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच एएसआई प्रदीप कुमार को सौंपी है।

सूने मकान में चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का अज्ञात चोर ताला तोड़कर चांदी के बर्तन व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीचर्स कॉलोनी अम्बामाता निवासी पीड़ित विष्णु पुत्र चंद्रकृष्ण सक्सेना ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि 8 जनवरी को मकान पर ताला लगाकर मैं बाहर गया था। दो दिन बाद लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो चांदी का लौटा, कटोरी, थाली, चम्मच सहित पूजन सामग्री तथा10 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। मामले की जांच एएसआई ललितसिंह कर रहे हैं।